an>

Title: Need to take remedial measures to control the increasing rate of premature births in the country.

श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश (सूरत) : महोदय, आज मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक ऐसे

विÂषय की ओर आकर्षित कराना चाहती हूँ जिसका सम्बन्ध गरीब एवं निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों से है। पिछले दिनों मुम्बई में हुए निओनेटोलोजिस्टों के सम्मेलन में जो निष्कर्ष सामने आए हैं, वे देश के लिए चिन्तित करने वाले हैं। उस सम्मेलन में निकला निष्कर्ष यह कहता है कि दुनिया में जन्म लेने वाला हर तीसरा बच्चा प्रीमेच्योर यानी उचित 9 महीने की अवधि से पहले जन्म लेता है, जिसके कारण उसके स्वास्थ्य एवं जीवन के बारे में परिवार को चिन्ता बनी रहती है। जो आँकड़े एन.एन.एफ. और फाउण्डेशन ऑफ प्रीमेच्योर बेबीज द्वारा दिए गए हैं, उनके मुताबिक वर्ष 2010 में दुनिया में होने वाली प्रीमेच्योर डिलीवरीज में से 25 प्रतिशत भारत में हुई थीं। डॉक्टरों के मुताबिक ऐसे बच्चों में दो-तीन बातों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। प्रथम, गर्भावस्था के दौरान उचित न्यूट्रीशनल खुराक दी जानी चाहिए। दूसरा, बच्चों के जन्म के समय उन्हें संक्रमित रोगों से बचाने हेतु उचित व्यवस्था की जानी चाहिए और तीसरा, सरकारी अस्पतालों में ऐसे समय में उचित साधनों की एवं योग्य चिकित्सा की व्यवस्था की जानी चाहिए।

अतः सदन के माध्यम से मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि इस विषय को संज्ञान में लेते हुए योग्य कार्यक्रम तय किया जाए और देश में कार्यरत स्वास्थ्य संगठनों को साथ लेकर आगे के कार्यक्रम का आयोजन किया जाए ताकि भविष्य में इस क्षेत्र में देश में गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों के बेहतर भविष्य को सुनिश्चित कर सकें। धन्यवाद।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri Sushil Kumar Singh – Not present.

Dr. Bhola Singh.